

विद्यार्थियों के लिए परीक्षा की दृष्टि से उपयोगी

कन लाइनर

कक्षा - 10वीं

सत्र 2025-26

सामाजिक
विज्ञान

लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल (म.प्र.)

संयोजन

श्रीमती राजेश्री शेंडगे
असिस्टेंट प्रोग्राम मैनेजर
स्टेट असेसमेंट सेल, लो.शि.सं. भोपाल

विषय समन्वयन

डॉ. प्रदीप कुमार सेन
विषय विशेषज्ञ (इतिहास)
स्टेट असेसमेंट सेल, लो.शि.सं. भोपाल

श्री राजेश कुमार पाल
विषय विशेषज्ञ (भूगोल)
स्टेट असेसमेंट सेल, लो.शि.सं. भोपाल

डॉ. सुमन तिवारी
विषय विशेषज्ञ (इतिहास)
स्टेट असेसमेंट सेल, लो.शि.सं. भोपाल

संकलनकर्ता

डॉ. सर्वेश सिंह (उ.मा.शि.), शा.उ.मा.वि. छोला, भोपाल
श्रीमती सौदामिनी मिश्रा (उ.मा.शि.), शा. नवीन उ.मा.वि. बागसेवनिया, भोपाल
श्रीमती शकुन्तला शर्मा (उ.मा.शि.), शा. सरदार पटेल सांदीपनी उ.मा.वि. करोंद, भोपाल
श्रीमती आभा पाराशर (मा.शि.), शा.एम.एल.बी कन्या उ.मा.वि., विदिशा
श्रीमती मनीषा मालवीय (मा.शि.), शा.उ.मा.वि. आनंद नगर, भोपाल

स्टेट असेसमेंट सेल, लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

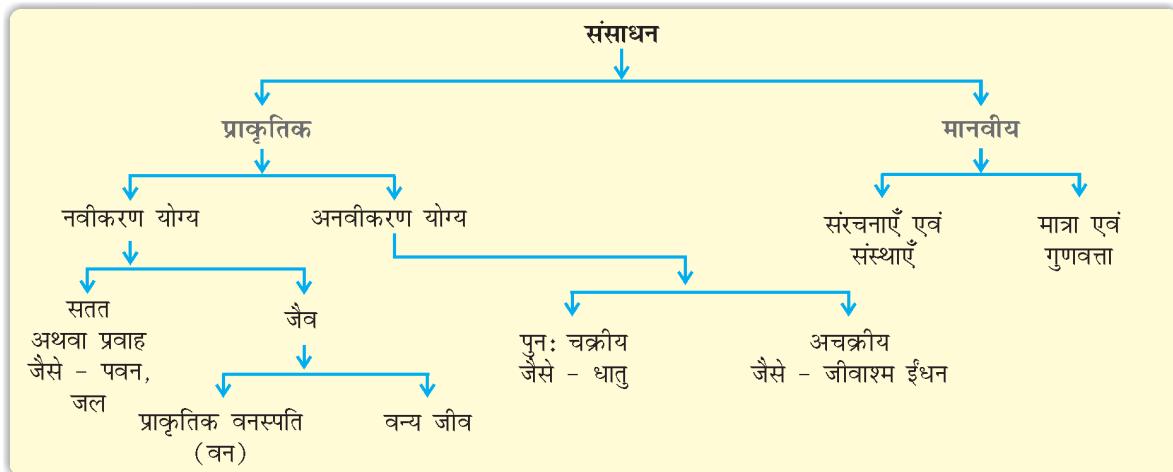
E - Contents - Social Science One Liner

v/; k	' क्लिक्स्ट्री	fyd	D; wkj- dkM
समकालीन भारत - 2 (भूगोल)			
1.	संसाधन एवं विकास	https://youtu.be/i-EB3vdUTrA?si=MMBngGp5Uq6wxyNa	
3.	जल संसाधन	https://youtu.be/sHqU9edTdCI?si=yCywcpidiN4F5kl8	
भारत और समकालीन विश्व - 2 (इतिहास)			
1.	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	https://youtu.be/nnCF-8yElBY?si=hsWaR1ScL9FelDlh	
3.	भू मंडलीकृत विश्व का बनना	https://youtu.be/J9SFIvLwjUA?si=_BilCJmoGF7-5dHJ	
लोकतांत्रिक राजनीति			
2.	संघवाद	https://youtu.be/OJ0kNhpAMeA?si=LPnXBePiWaL7a-3N	
3.	जाति, धर्म और लैंगिक मसले	https://youtu.be/u3mWi8IxIjQ?si=5iwL3se1x-ATIq-g	
आर्थिक विकास की समझ			
1.	विकास	https://youtu.be/gszx7mxMYJc?si=bp4N17iwXk2eol-7 https://youtu.be/iY2YHI3NBC8?si=9dDVbIqG67XF7avv	 
3.	मुद्रा और साख	https://youtu.be/rccS-QO7QAs?si=4Wj_i1IwrrIuEeAS	

समकालीन भारत - 2 (भूगोल)

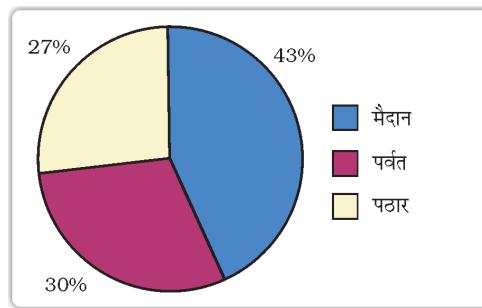
अध्याय - 1 संसाधन एवं विकास

- प्रत्येक वस्तु जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करती है, संसाधन कहलाती है।
- संसाधन के दो प्रकार होते हैं प्राकृतिक तथा मानवीय संसाधन।



- समाप्ति के आधार पर संसाधन नवीकरणीय एवं अनवीकरणीय होते हैं।
- पवन, जल एवं सौर नवीकरण योग्य संसाधन हैं।
- पेट्रोल, जीवाश्म ईंधन अनवीकरण योग्य संसाधन हैं।
- उत्पत्ति के आधार पर संसाधन जैव और अजैव प्रकार के होते हैं।
- प्राकृतिक वनस्पति (वन) एवं वन्य जीव जैविक संसाधन हैं।
- धातु, भूमि, जल और वायु अजैविक संसाधन हैं।
- पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए जो विकास होता है वह सतत् पोषणीय विकास कहलाता है।
- 1992 में रियो डि जेनरो में पृथ्वी सम्मेलन हुआ था।
- रियो डि जेनरो ब्राजील देश (द. अमेरिका महाद्वीप) में स्थित है।
- UNCED में क्लब ऑफ रोम ने संसाधनों के संरक्षण की बात कही।
- 'स्माल इज्ज ब्यूटीफुल' पुस्तक शुमेसर ने 1974 में लिखी।
- ब्रुन्डॉलैण्ड आयोग रिपोर्ट में संसाधनों के संरक्षण की बात कही गई है।
- 'हमारा सांझा भविष्य' पुस्तक संसाधन संरक्षण से सम्बन्धित है।

भारत के मुख्य भू-आकृतियों के अन्तर्गत क्षेत्रों का प्रतिशत



- भारत के पठारी क्षेत्र खनिजों एवं जीवाशम ईंधनों से समृद्ध होते हैं।
- भू-आकृति, जलवायु एवं मृदा भौतिक कारक कहलाते हैं।
- जनसंख्या घनत्व, प्रौद्योगिकी क्षमता मानवीय कारक हैं।
- भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग किमी. है।
- राष्ट्रीय वन नीति (1952) के अनुसार भारत में 33 प्रतिशत भू भाग वनों से आच्छादित होना चाहिए।
- पंजाब, हरियाणा में अधिक सिंचाई भूमि निर्माण का एक प्रमुख कारण है।
- जनक शैल, जलवायु और वनस्पति आदि मृदा बनाने के प्रमुख कारक हैं।
- मृदा का निर्माण जैव व अजैव पदार्थों से होता है।
- भारत का उत्तरी मैदान जलोद मृदा से बना है।
- बांगर पुरानी जलोद मृदा को कहते हैं।
- खादर नवीन जलोद मृदा को कहते हैं।
- काली मृदा को ऐगर मृदा भी कहते हैं।
- महाराष्ट्र, मालवा, म.प्र. और छत्तीसगढ़ के पठार में काली मृदा पायी जाती है।
- काली मृदा कैलिशयम कार्बोनेट, मैग्नीशियम से भरपूर होती है।
- काली मृदा बहुत महीन कणों से बनी होती है तथा इसकी नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है।
- काली मृदा को काली कपास मृदा भी कहते हैं।
- लाल मृदा का रंग लौह धातु के कारण लाल होता है।
- लेटराइट शब्द ग्रीक भाषा के लेटर शब्द से लिया गया है।
- लेटराइट मृदा अम्लीय होती है।
- लेटराइट मृदा काजू की फसल के लिए अधिक उपयुक्त होती है।
- मरुस्थलीय मृदा रेतीली व लवणीय होती है।
- वन मृदा पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों में पायी जाती है।
- हिमाच्छादित क्षेत्रों में वन मृदा ह्यूमस रहित होती है।
- मृदा के कटाव और उसके बहाव की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहते हैं।
- जो भूमि जोतने योग्य नहीं रहती है उसे उत्खात भूमि (Bad land) कहते हैं।

- विस्तृत क्षेत्रों में मृदा की ऊपरी परत का जल के साथ घुलकर बह जाना चादर अपरदन कहलाता है।
- सोपान कृषि मृदा अपरदन को नियन्त्रित करती है।
- पर्वतीय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में सीढ़ीदार कृषि की जाती है।
- चंबल बेसिन में उत्खात भूमि को खड्ड (Ravine) भूमि कहा जाता है।
- भारत के पंजाब और हरियाणा राज्य में 80 प्रतिशत भूमि पर कृषि होती है।

अध्याय - 2

वन एवं वन्य जीव संसाधन

- वन प्राथमिक उत्पादक है।
- भारतीय वन जीवन (रक्षण) अधिनियम 1972 में लागू किया गया।
- "प्रोजेक्ट टाईगर" वन्य जीव परियोजना 1973 में शुरू की गई।
- रक्षित वन देश के कुल वन क्षेत्र का एक तिहाई हिस्से पर होते हैं।
- भारत में आधे से अधिक वन क्षेत्र आरक्षित वन हैं।
- भारत में आरक्षित वनों को सर्वाधिक मूल्यवान वन माना जाता है।
- छोटा नागपुर क्षेत्र में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं।
- चिपको आंदोलन वनों के संरक्षण से सम्बन्धित है।
- बीज बचाओ आंदोलन बीजों के संरक्षण से सम्बन्धित है।
- भारत में स्थायी वनों का क्षेत्र म.प्र. में सर्वाधिक है।
- संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव उड़ीसा राज्य ने पास किया था।

भारत के प्रमुख बाघ परियोजनाएँ

बाघ परियोजना का नाम	राज्य में स्थित
कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखण्ड
सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान	पश्चिमी बंगाल
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	मध्यप्रदेश
सरिस्का वन जीव पशुविहार	राजस्थान
मानस बाघ रिजर्व	असम
पेरियार बाघ रिजर्व	केरल

वनों और नदी से संबंधित आंदोलन

चिपको आंदोलन	वनों के संरक्षण से संबंधित
बीज बचाओ आंदोलन	बीजों के संरक्षण से संबंधित
नर्मदा बचाओ आंदोलन	स्थानीय समुदायों के बृहद् स्तर पर विस्थापन से संबंधित
ठिहरी आंदोलन	स्थानीय समुदायों के बृहद् स्तर पर विस्थापन से संबंधित
नवदानय आंदोलन	रासायनिक उर्वरकों के बिना विविध फसल उत्पादन

अध्याय - 3

जल संसाधन

- पृथकी का तीन-चौथाई धरातल जल से ढका हुआ है।
- जल एक नवीकरणीय योग्य संसाधन है।
- भारत में कुल विद्युत का लगभग 22 प्रतिशत भाग जल विद्युत से प्राप्त होता है।
- जे.जे.एम. (J.J.M.) का पूर्ण रूप "जल जीवन मिशन" है।
- "जल जीवन मिशन" भारत सरकार द्वारा ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु चलायी गयी एक योजना है।
- 11वीं शताब्दी की भोपाल झील सबसे बड़ी कृत्रिम झीलों में से एक है।
- बाँधों का 'आधुनिक भारत का मंदिर' जवाहर लाल नेहरू ने कहा है।

नदी पर स्थित भारत के प्रमुख बांध

बांध का नाम	नदी	राज्य
सरदार सरोवर बांध	नर्मदा	गुजरात
हीराकुण्ड बांध	महानदी	ओडिशा
नागार्जुन सागर बांध	कृष्णानदी	आन्ध्र प्रदेश
भाखड़ा नागल बांध	सतलज	हिमाचल
गांधी सागर बांध	चम्बल	मध्यप्रदेश
राणाप्रताप सागर बांध	चम्बल	मध्यप्रदेश

- सरदार सरोवर बांध से महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात तथा राजस्थान राज्यों को लाभ पहुँचता है।
- 'गुल' अथवा 'कुल' (पश्चिमी हिमालय) में नदी वाहिकाएँ नदी की धारा बदलकर खेतों में सिंचाई के लिए बनाई गई हैं।
- खादीन राजस्थान में छत पर वर्षा जल संग्रहण करने की एक परम्परागत तकनीक है।
- राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में खादीन को ही जोहड़ कहते हैं।
- टांका, राजस्थान में वर्षा जल को टैंक बनाकर जल का संग्रहण है।
- 'पालर पानी' - वर्षा जल को ही पालर पानी कहा जाता है।
- चेरापूँजी और मासिनराम विश्व के सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र हैं।
- उत्कृष्ट जल संग्रहण तन्त्र इलाहाबाद में बनाया गया।
- इल्तुमिश ने दिल्ली के सिरी फोर्ट क्षेत्र में जल की सप्लाई के लिए हौज खास बनवाया।
- हौज खास एक विशिष्ट तालाब को कहते हैं।
- दामोदर नदी को भारत की शोक की नदी कहा जाता है।
- भारत का तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जहाँ पूरे राज्य में प्रत्येक घर में छत वर्षाजल संग्रहण ढाँचों का बनाना आवश्यक कर दिया।

अध्याय - 4

कृषि

- कृषि एक प्राथमिक क्रियाकलाप है।
- कृषि विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराता है।
- कर्तन दहन कृषि को पूर्वोत्तर राज्यों ‘झूम’ कहा जाता है।

भारत के राज्यों में स्थानांतरित कृषि को निम्नलिखित नामों से जाना जाता है

मध्य प्रदेश	बेवर या दहिया
आंध्र प्रदेश	पोडू अथवा पेंडा
ओडिशा	पामाडाबी या कोमान
झारखण्ड	कुरुवा
द.पूर्वी राजस्थान	वालरे या वाल्टरे
पश्चिमी घाट	कुमारी

- चाय, कॉफी, रबड़, गन्ना महत्वपूर्ण रोपण फसलें हैं।
- रबी फसलों को शीत क्रतु में बोया जाता है।

देश में कृषि पद्धतियाँ एवं शस्य प्रारूप-

भारत में तीन शस्य क्रतुएं-

रबी, खरीफ और जायद

शस्य क्रतुएं	बोने का समय	काटने का समय	फसल
रबी	शीत क्रतु में अक्टूबर से दिसंबर	ग्रीष्म क्रतु में अप्रैल-जून	गेहूँ, चना, सरसों,
खरीफ	ग्रीष्म क्रतु में मानसून आगमन जून से जुलाई	शीत क्रतु में सितंबर अक्टूबर	सोयाबीन चावल, मक्का, ज्वार, तुअर
जायद	ग्रीष्म क्रतु में आगमन अप्रैल से मई	अप्रैल से मई	तरबूज, ककड़ी, खरबूजा, खीरा, हरा चारा

- भारत की प्रमुख खाद्यान्न फसल चावल है।
- भारत की दूसरी सबसे बड़ी खाद्यान्न फसल गेहूँ है।
- ज्वार, बाजरा और रागी मोटे अनाज हैं। इनमें पोषक तत्वों की मात्रा अत्यधिक होती है।
- भारत विश्व में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक व उपभोक्ता देश है।
- दालें सबसे अधिक प्रोटीन दायक होती हैं।
- दालें भूमि की उर्वरता को बनाकर रखती हैं।
- गुजरात मूँगफली का प्रमुख उत्पादक राज्य है।

- चाय एक रोपण फसल का उदाहरण है।
- असम, दार्जिलिंग, तमिलनाडु मुख्य चाय उत्पादक क्षेत्र हैं।
- हमारे देश में अरेबिका किस्म की कॉफी पैदा की जाती है।
- भारत में कॉफी आरम्भ में यमन से लाई गई थी।
- कॉफी की खेती नीलगिरि पहाड़ियों में की जाती है।
- रबड़, कपास, जूट एक रेशेदार अखाद्य फसलें हैं।
- रबड़ भूमध्यरेखीय क्षेत्र की फसल है।
- रबड़ मुख्यतः भारत के केरल और तमिलनाडु में उगाया जाता है।
- रेशम के कीड़ों का पालन करना रेशम उत्पादन (SERICULTURE) कहलाता है।
- कपास उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है।
- महाराष्ट्र, गुजरात और म.प्र. कपास के मुख्य उत्पादक राज्य हैं।
- जूट को सुनहरा रेशा (GOLDEN FIBER) कहा जाता है।
- प. बंगाल, बिहार और असम जूट के मुख्य उत्पादक राज्य हैं।
- जूट का प्रयोग बोरियाँ, चटाई, रस्सी बनाने में किया जाता है।
- भारत सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की है।
- प्रथम पंचवर्षीय योजना में भूमि सुधार मुख्य लक्ष्य था।
- विनोबा भावे द्वारा भूदान आंदोलन शुरू किया गया।
- विनोबा भावे द्वारा शुरू भूदान-ग्रामदान आंदोलन को रक्तहीन क्रान्ति का भी नाम दिया गया।
- ग्राम स्वराज अवधारणा गांधी जी से सम्बन्धित है।
- महात्मा गांधी जी ने विनोबा भावे को अपना आध्यात्मिक उत्तराधिकारी घोषित किया था।
- हरित क्रांति का संबंध कृषि उत्पादन से है।
- श्वेत क्रांति का संबंध दुध उत्पादन से है।

भारत की मुख्य फसलें

खाद्यान फसलें	चावल, गेहूँ, मक्का, बाजरा, ज्वार आदि हैं।
अन्य खाद्यान फसलें	गन्ना, तिलहन, चाय, कॉफी
अखाद्यान फसलें	जूट, रबड़, कपास, प्राकृतिक रेशम (रेशेदार फसलें)

अध्याय - 6

विनिर्माण उद्योग

- कच्चे पदार्थ को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित करना विनिर्माण कहलाता है।
- उद्योग देश की आर्थिक उन्नति का मापन है।
- कृषि तथा उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं।
- चीनी उद्योग में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है।
- सूती वस्त्र, पटसन, रेशम, चीनी, चाय और कॉफी आदि कृषि आधारित उद्योग हैं।
- लौह इस्पात, पेट्रो रसायन, सीमेन्ट, मशीन, औजार आदि खनिज आधारित उद्योग हैं।

स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण एवं उदाहरण

सार्वजनिक क्षेत्र	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (BHEL), स्टील अर्थॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL)
निजी क्षेत्र	टिस्को, बजाज ऑटो लिमिटेड, डाबर
संयुक्त क्षेत्र	आयल इंडिया लिमिटेड (OIL)
सहकारी क्षेत्र	महाराष्ट्र के चीनी उद्योग, केरल के नारियल (उद्योग)

- भारत प्रथम सफल सूती वस्त्र उद्योग 1854 में लगाया गया था।
- भारत प्रथम सूती वस्त्र उद्योग मुम्बई में लगाया गया था।
- भारत पटसन से निर्मित सामान का सबसे बड़ा निर्यातक देश है।
- भारत, बांग्लादेश के पश्चात् पटसन का दूसरा बड़ा निर्यातक देश है।
- भारत का प्रथम पटसन उद्योग कोलकाता के निकट रिशरा में लगाया गया।
- भारत का प्रथम पटसन उद्योग कोलकाता में 1855 में लगाया गया।
- वे उद्योग जो खनिज व धातुओं को कच्चे माल के रूप में प्रयोग करते हैं, खनिज आधारित उद्योग कहलाते हैं।
- इस्पात को कठोर बनाने के लिए इसमें मैंगनीज मिलाया जाता है।
- भारत के छोटानागपुर के पठार में अधिकांश लौह तथा इस्पात उद्योग स्थापित हैं।
- भारत में एल्यूमिनियम प्रगलन, धातु शोधन उद्योग है।
- एल्यूमिनियम में बॉक्साइट को कच्चे पदार्थ के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- भारत में रसायन उद्योग एशिया का तीसरा बड़ा उद्योग है।
- भारत, रसायन उद्योग में विश्व में 12वें स्थान पर है।
- D.A.P. एक उर्वरक उद्योग है।
- रसायन उद्योग की भागीदारी सकल घरेलू उत्पाद में तीन प्रतिशत है।
- गुजरात, तमिलनाडु, उ.प्र., पंजाब और केरल राज्य कुल उर्वरक उत्पादन का 50 प्रतिशत उत्पादन करते हैं।
- चूना पत्थर, सिलिका और जिप्सम को सीमेंट उद्योग में कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है।
- बेंगलुरु भारत की इलेक्ट्रॉनिक राजधानी है।
- इलेक्ट्रॉनिक उद्योग के अन्तर्गत दूरभाष, कम्प्यूटर, टेलीविजन आदि निर्मित किए जाते हैं।
- कार्बनिक तथा अकार्बनिक अपशिष्ट पदार्थों से जल प्रदूषण फैलता है।
- उद्योगों से चार प्रकार के प्रदूषण होते हैं - वायु, जल, भूमि एवं ध्वनि।
- अनचाही गैसों जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड तथा कार्बन मोनोआक्साइड वायु प्रदूषण का कारण हैं।

अध्याय - 7

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

- जो व्यक्ति उत्पाद को परिवहन द्वारा उपभोक्ताओं तक पहुँचाते हैं वे व्यापारी कहलाते हैं।
- परिवहन के तीन साधन होते हैं - स्थल परिवहन, जल परिवहन और वायु परिवहन।
- भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक सड़क जाल वाला देश है।
- भारत में सड़क जाल लगभग 62.16 लाख किमी. तक फैला है।
- सड़क परिवहन, अन्य परिवहन साधनों को जोड़ने का कार्य करता है।
- उत्तर-दक्षिण गलियारा श्रीनगर को कन्याकुमारी से जोड़ता है।
- पूर्व-पश्चिम गलियारा सिलचर (असम) को पोरबन्दर (गुजरात) से जोड़ता है।
- स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग का उद्देश्य भारत के मेगासिटी के मध्य की दूरी को कम करना है।
- स्वर्णिम चतुर्भुज महा राजमार्ग भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आता है।
- NHAI का पूर्ण रूप भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग देश के दूरस्थ भागों को जोड़ते हैं।
- CPWD का पूर्ण रूप केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग है।
- भारत में सड़कों का रखरखाव व निर्माण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है।
- प्रसिद्ध शेरशाह सूरी मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-1 के नाम से जाना जाता है।
- ऐतिहासिक शेरशाह सूरी मार्ग दिल्ली व अमृतसर को आपस में जोड़ता है।
- राज्य राजमार्गों का निर्माण व रखरखाव का दायित्व राज्य के सार्वजनिक निर्माण विभाग का होता है।
- PWD का पूर्ण रूप सार्वजनिक निर्माण विभाग होता है।
- जिला मार्गों की व्यवस्था का उत्तरदायित्व जिला परिषद् का होता है।
- भारत देश के प्रत्येक गाँव को प्रमुख शहरों से सड़कों द्वारा जोड़ने का कार्य 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना' के तहत किया जाता है।
- भारत सरकार प्राधिकरण के अधीन सीमा सड़क संगठन को 1960 में बनाया गया।
- सीमा सड़क संगठन देश की सीमांत क्षेत्रों की सड़कों का निर्माण व रखरखाव देखती है।
- भारत के उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों की सामरिक महत्व की सड़कों का उत्तरदायित्व सीमा सड़क संगठन का है।
- विश्व की सबसे लम्बी राजमार्ग सुरंग भारत में स्थित है जिसकी लंबाई 9.02 किमी. है।
- विश्व की सबसे लम्बी राजमार्ग सुरंग-अटल टनल है।
- अटल टनल भारत सरकार की सीमा सड़क संगठन द्वारा बनाई गई है।
- अटल टनल पूरे साल मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ती है।
- भारत की अटल टनल हिमालय की पीरपंजाल पर्वतमाला में स्थित है।
- भारत की अटल टनल समुद्र तल से 8000 मीटर की ऊँचाई पर बनी है।
- भारत देश की पहली रेलगाड़ी 1853 में चलाई गई।
- भारत देश की पहली रेलगाड़ी मुम्बई और थाणे के मध्य चलाई गई।

- भारत देश की पहली रेलगाड़ी 34 किमी. की दूरी तय करती थी ।
- भारतीय रेल परिवहन को 16 रेल प्रखंडों में बाँटा गया है ।
- भारत देश की पहली हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर (एच.वी.जे.) गैस पाइपलाइन 1700 किमी. लम्बी है ।
- भारत की समुद्री तट रेखा 7,516.6 किमी. लम्बी है ।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कच्छ में कांडला पहले पत्तन के रूप में विकसित किया गया ।
- भारत का 95 प्रतिशत विदेशी व्यापार प्रमुख समुद्री पत्तनों से होता है ।
- स्वतंत्रता के पश्चात भारत का पहला पत्तन कांडला है ।
- भारत के कांडला पत्तन को दीनदयाल पत्तन के नाम से भी जाना जाता है ।
- भारत का कांडला पत्तन एक ज्वारीय पत्तन है ।
- मुम्बई भारत का पश्चिमी तट पर वृहत्तम पत्तन है ।
- भारत के मुम्बई पत्तन के अधिक परिवहन को कम करने के लिए जवाहरलाल नेहरू पत्तन विकसित किया गया है ।
- भारत के कुल निर्यात का 50 प्रतिशत लौह-अयस्क का निर्यात मारमागाओं पत्तन के द्वारा किया जाता है ।
- कोची पत्तन एक प्राकृतिक पोताश्रय है ।
- चेन्नई हमारे देश का प्राचीनतम कृत्रिम पत्तन है ।
- विशाखापट्टनम पत्तन स्थल से धिरा, गहरा व सुरक्षित पत्तन है ।
- भारत का पारादीप पत्तन ओडिशा राज्य में स्थित है ।
- कोलकाता एक अन्तः स्थलीय नदीय पत्तन है ।
- कोलकाता एक ज्वारीय पत्तन होने के कारण इसे नियमित रूप से साफ करना पड़ता है ।
- सन् 1953 में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण किया गया ।
- एयर इंडिया घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय वायु सेवाएँ प्रदान करती है ।
- पवन हंस दूरगामी क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर सेवाएँ उपलब्ध करवाता है ।
- दूरदर्शन, रेडियो, समाचार-पत्र आदि देश के प्रमुख संचार साधन हैं ।
- विश्व का वृहत्तम डाक-संचार भारत में है ।
- दूर संचार-तंत्र में भारत एशिया महाद्वीप में अग्रणी है ।
- भारत में समाचार-पत्र लगभग 100 भाषाओं में प्रकाशित होते हैं ।
- भारत विश्व में सर्वाधिक चलचित्रों का उत्पादक भी है ।
- बाजार एक ऐसी जगह है जहाँ वस्तुओं का विनियमय होता है ।
- दो देशों के मध्य व्यापार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है ।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रगति किसी राष्ट्र की आर्थिक बैरोमीटर कहलाती है ।
- कोलकाता पत्तन पर बढ़ते व्यापार के दबाव को कम करने के लिए हल्दिया पत्तन विकसित किया गया है ।
- हल्दिया तथा इलाहाबाद के मध्य गंगा जलमार्ग 1620 किमी. लम्बा है ।
- भारतीय व विदेशी सभी फ़िल्मों को प्रमाणित करने का अधिकार केन्द्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड को है ।

भारत और समकालीन विश्व - 2 (इतिहास)

अध्याय - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

- ऐसी सरकार या शासन व्यवस्था जिसकी सत्ता पर किसी प्रकार का कोई अंकुश नहीं होता निरंकुशवाद कहलाता है।
- यूरोप में राष्ट्र राज्य और राष्ट्रवाद उनीसर्वी सदी में अस्तित्व में आये।
- फ्रांसीसी कलाकार फ्रेड्रिक सारयू चित्रकार थे जिन्होंने 1848 ई. में चार चित्रों की श्रृंखला बनायी।
- फ्रेड्रिक सारयू ने चित्रों के माध्यम से सपनों का संसार रचा, जो जनतांत्रिक और सामाजिक गणतंत्रों से मिलकर बना था।
- सारयू के कल्पनादर्श (यूरोपिया) में दुनिया के लोग अलग राष्ट्रों के समूहों में बंटे हुए हैं। जिनकी पहचान उनके कपड़े और राष्ट्रीय पोशाक से होती है।
- कल्पनादर्श (यूरोपिया) एक ऐसे समाज की कल्पना जो इतना आदर्श है कि उसका साकार होना लगभग असंभव होता है।
- फ्रेड्रिक सारयू द्वारा बनाये गये पहले चित्र में यूरोप और अमेरिका के सभी उम्र और सामाजिक वर्गों के स्त्री-पुरुष एक लम्बी कतार में स्वतंत्रता की प्रतिमा की वन्दना करते हुए जा रहे हैं।
- फ्रांसीसी दार्शनिक अर्नेस्ट रेनन द्वारा 1882 में सॉबान विश्वविद्यालय में दिए व्याख्यान को निबंध के रूप में छापा गया। जिसका शीर्षक था "राष्ट्र क्या है?"
- एक प्रत्यक्ष मतदान जिसके जरिए एक क्षेत्र के सभी लोगों से एक प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए पूछा जाता है, जनमत संग्रह कहलाता है।
- राष्ट्रवाद की शुरुआत 1789 में फ्रांसीसी क्रान्ति के समय हुई थी।
- यूरोप में छात्र तथा शिक्षित मध्य वर्गों के अन्य सदस्यों द्वारा जेकोविन क्लबों की स्थापना की गई।
- लोगों को अपनी आजादी मुट्ठी में कर लेनी चाहिए। - रेबमान
- रेबमान एक पत्रकार था जो मेंज नामक शहर में रहता था वह जर्मन जेकोविन गुट का सदस्य था।
- 1804 की नागरिक संहिता, जिसे नेपोलियन की संहिता के नाम से भी जाना जाता है।

नेपोलियन की नागरिक संहिता

- जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त
- कानून के समक्ष बराबरी और सम्पत्ति का अधिकार सुरक्षित
- प्रशासनिक विभाजनों को सरल बनाया
- सामन्ती व्यवस्था खत्म
- यातायात और संचार-व्यवस्थाओं में सुधार

- जर्मन चित्रकार कार्ल कैस्पर फ्रिट्ज ने रंगीन चित्र के माध्यम से फ्रेंच सेनाओं द्वारा ज्वेब्रेकेन शहर पर कब्जा करते हुए दर्शाया गया है।
- राइनलैण्ड का डाकिया चित्र के माध्यम से नेपोलियन को 1813 में लाइप्सिंग की लड़ाई में हारकर फ्रांस लौटते हुए दर्शाया गया है।
- आस्ट्रिया-हंगरी पर शासन करने वाला हैब्सवर्ग साम्राज्य अलग-अलग क्षेत्रों और जन समूहों को जोड़कर बना था।
- सामाजिक और राजनीतिक रूप से जमीन का मालिक कुलीन वर्ग कहलाता था जो यूरोपीय महाद्वीप का सबसे प्रभुत्वशाली वर्ग था।

यूरोप की प्रमुख घटनाएँ एवं वर्ष

क्र.	वर्ष	फ्रांसीसी क्रांति
1.	1789	नेपोलियन का इटली पर हमला, नेपोलियन युगों की शुरुआत
2.	1797	नेपोलियन की संहिता / नागरिक संहिता
3.	1804	वाटरलू का युक्त, नेपोलियन का पतन, वियना शान्ति संधि
4.	1815	कुस्तुंतुनिया की संधि (यूनान स्वतंत्र देश बना)
5.	1832	इटली का एकीकरण
6.	1859-1870	जर्मनी का एकीकरण

- औद्योगीकरण की शुरुआत इंग्लैण्ड में 18वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई थी।
- औद्योगीकरण प्रक्रिया के फलस्वरूप नये सामाजिक समूह अस्तित्व में आये, कुलीन विशेषाधिकार की समाप्ति हुई और शिक्षित एवं उदारवादी मध्य वर्गों के बीच राष्ट्रीय एकता के विचार लोकप्रिय हुए।
- उदारवाद यानी (Liberalism) शब्द लैटिन भाषा के मूल Liber पर आधारित है जिसका अर्थ है 'आजाद'।
- नए मध्य वर्गों के लिए उदारवाद का मतलब था व्यक्ति के लिए आजादी और कानून के समक्ष सबकी बराबरी।
- नेपोलियन के प्रशासनिक कदमों से अनगिनत छोटे प्रदेशों से 39 राज्यों का एक महासंघ बना इनसे प्रत्येक की अपनी मुद्रा और नाप-तौल प्रणाली थी। कपड़े को नापने का पैमाना ऐले (elle) था।
- 1834 में प्रशा की पहल पर एक शुल्क संघ जॉलवेराइन (Zollverein) स्थापित किया गया। इस संघ ने शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया और मुद्राओं की संख्या दो कर दी।
- जैकोबिन शासन के समय सभी वयस्क पुरुषों को मताधिकार प्राप्त था।
- 1815 में वाटर लू के युद्ध में ब्रिटेन, रूस, प्रशा और आस्ट्रिया जैसी यूरोपीय शक्तियों ने मिलकर नेपोलियन को पराजित किया था।
- नेपोलियन के पराजय के बाद 1815 में वियना संधि हुई। जिसकी मेजबानी आस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मैटरनिख ने की थी।

वियना शांति संधि की शर्तें

- बूर्बो वंश की सत्ता में बहाली
- फ्रांस ने उन इलाकों को खो दिया जिन पर नेपोलियन का कब्जा था।
- फ्रांस की सीमाओं पर कई राज्य कायम कर दिए गये ताकि भविष्य में फ्रांस विस्तार न कर सके।
- आस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया।
- नेपोलियन ने 39 राज्यों का जो जर्मन महासंघ स्थापित किया था उसे बरकरार रखा गया।
- ऐसा राजनीतिक दर्शन जो परम्परा, स्थापित संस्थानों और रिवाजों पर जोर देता है और तेज बदलावों की बजाय क्रमिक और धीरे-धीरे विकास को प्राथमिकता देता है, रुढ़िवाद कहलाता है।
- इटली का क्रान्तिकारी ज्युसेपी मेत्सिनी का जन्म 1807 ई. में जेनोआ में हुआ था जो कार्बोनारी के गुप्त संगठन का सदस्य था।
- आटोमन साम्राज्य में आयरलैण्ड और पोलैण्ड जैसे कुछ क्षेत्र थे।
- प्रथम विद्रोह फ्रांस में जुलाई 1830 ई. में हुआ था।
- फ्रांस में संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना लुई फिलिप की अध्यक्षता में की गयी थी।
- मैटरनिख ने टिप्पणी की थी कि “जब फ्रांस छींकता है तो बाकी यूरोप को सर्दी-जुकाम हो जाता है।”
- यूरोप में क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद की प्रगति से यूनानियों का आजादी के लिए संघर्ष 1821 में आरम्भ हुआ था।
- कुस्तुनतुनिया की संधि 1932 ई. में हुई थी। जिससे यूनान को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता मिली।
- कवियों और कलाकारों ने यूनान को यूरोपीय सभ्यता का पालना बता कर प्रशंसा की।
- फ्रांसीसी चित्रकार देलाक्रोआ फ्रैंच रूमानी चित्रकार था। उसने एक घटना को चित्रित किया है जिसे किंडॉस दीप कहा जाता है।
- जर्मन दार्शनिक योहान गॉट फ्रीड जैसे रूमानी चिन्तक ने दावा किया है कि सच्ची जर्मनी संस्कृति उसके आम लोगों में निहित थी।
- जैकब ग्रिम का जन्म 1785 ई. एवं विलहेल्म ग्रिम का जन्म 1786 ई. में जर्मनी के हनाऊ शहर में हुआ था। इन दोनों भाइयों ने कानून की पढ़ाई के समय लोक कथाएँ इकट्ठा करना शुरू किया था। जो 1812 ई. में 33 खण्डों में जर्मन भाषा में प्रकाशित हुई थी। इन्हें ‘ग्रिम्स फेयरीटेल्स’ के नाम से जाना जाता है।
- स्त्री-पुरुष की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समानता की सोच के आधार पर महिलाओं के अधिकारों और हितों का बोध, नारीवाद कहलाता है।
- लुइजे आटो-पीटर्स (1819-95) एक राजनैतिक कार्यकर्ता थी, जिसने नारीवादी राजनीतिक संगठन की स्थापना की थी।
- एक खास प्रकार की सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि को इंगित करने वाले विचारों का समूह विचारधारा कहलाती है।

- जर्मनी के एकीकरण का जनक बिस्मार्क था। जिससे प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद से सात वर्ष के अन्दर आस्ट्रिया, डेन्मार्क और फ्रांस से तीन युद्धों में प्रशा की जीत हुई और एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई।
- जनवरी 1871 में वर्साय में हुए समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सप्राट घोषित किया गया।
- उन्नीसवीं सदी के मध्य में इटली सात राज्यों में बँटा हुआ था।
- 1830 के दशक में ज्यूसेपे मेत्सिनी ने इटली के एकीकरण के लिए कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
- 1830 के दशक में ज्यूसेपे मेल्सिनी ने यंग इटली नामक एक गुप्त संगठन बनाया था।
- 1831 और 1848 में क्रान्तिकारी विद्रोहों की असफलता से युद्ध के जरिए इतालवी राज्यों को जोड़ने की जिम्मेदारी सार्डिनिया-पीडमॉण्ट के शासक विक्टर इमेनुएल द्वितीय पर आई थी।
- कावूर ने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने वाले आन्दोलन का नेतृत्व किया था।
- 1861 में इमेनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।
- नृजातीय (Ethric) एक साझा नस्ली, जनजातीय या सांस्कृतिक उद्भव अथवा पृष्ठभूमि जिसे कोई समुदाय अपनी पहचान मानता है।
- 1859 में फ्रांस से सार्डिनिया पीडमॉण्ट ने एक चतुर कूटनीतिक संधि की जिसके माध्यम से उसने आस्ट्रियाई बलों को हरा दिया।
- ज्यूसेपे गैरीबाल्डी पेशे से नाविक था उसका इटली के एकीकरण में बड़ा योगदान था।
- गैरीबाल्डी ने युवाओं की एक शक्तिशाली सेना तैयार की थी। जिसे लालकुर्ती दल के नाम से जाना गया था।
- गैरीबाल्डी ने सिसली तथा नेपल्स को जीतकर वहाँ गणराज्य की स्थापना की थी।
- 1860 में गेरी बाल्डी ने दक्षिण इटली की तरु 'एक्सपिडिशन ऑफ द थाउजेंड' (हजार लोगों का अभियान) का नेतृत्व किया। यह लोग 'ऐड शर्ट्स'। लाल कुर्ती के नाम से लोकप्रिय हुए।
- ब्रिटेन साम्राज्य में- अंग्रेज, वेल्श, स्काट या आयरिश जैसे समाज था जिसे नृजातीय कहते थे।
- 1707 में इंग्लैण्ड और स्कॉटलैण्ड को मिलाकर यूनाइटेड किंगडम ऑफ ब्रिटेन का गठन किया गया।
- 1798 में हुए असफल विद्रोह के बाद 1801 में आयरलैण्ड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया।
- वाल्कन भौगोलिक एवं नृजातीय रूप से विभिन्नताओं का क्षेत्र था, जिसमें आधुनिक रूमानिया, बल्गारिया, अल्बेनिया, ग्रीस, मकदूनिया, क्रोएशिया, स्लोवानिया, सर्विया आदि शामिल थे। इनके मूल निवासियों को स्लाव कहा जाता था।
- वाल्कन क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था।
- यूरोपीय शक्तियों के मध्य वाल्कन क्षेत्र पर कब्जा जमाने के लिए यूरोपीय शक्तियों के मध्य प्रतिस्पर्धा रही, जिस कारण यहाँ विभिन्न युद्ध हुए। जिसकी परिणति प्रथम विश्व युद्ध के रूप में हुई।
- जब कोई देश, अपने देश की शक्ति को बढ़ाता है, आर्मी और अन्य साधन का प्रयोग करके तब उसे साम्राज्यवाद कहते हैं।

- जब किसी अमूर्त विचार (जैसे लालच, स्वतंत्रता, ईर्ष्या, मुक्ति) को किसी व्यक्ति या किसी चीज के जरिए इंगित किया जाता है तब उसे रूपक कहते हैं।
- 18वीं और 19वीं शताब्दी में रूपक का प्रयोग राष्ट्रवादी भावना के विकास और मजबूत बनाने में किया जाता था।

प्रतीक चिह्न और उनका अर्थ

प्रतीक	अर्थ
• टूटी हुई बेड़ियां	• आजादी मिलना
• बाज-छाप कवच	• जर्मन साम्राज्य की प्रतीक-शक्ति
• बलूत पत्तियों का मुकुट	• बहादुरी
• तलवार	• मुकाबले की तैयारी
• तलवार पर लिपटी जैतून की डाली	• शान्ति की चाह
• काला तिल और सुनहरा तिरंगा	• 1848 में उदारवादी- राष्ट्रवादियों का झण्डा, जिसे जर्मन राज्यों के ड्यूक्स ने प्रतिबंधित घोषित कर दिया।
• उगते सूर्य की किरणें	• एक नए युग का सूत्रपात

अध्याय - 2

भारत में राष्ट्रवाद

- महात्मा गांधी जनवरी 1915 में भारत लौटे। इससे पहले वे दक्षिण अफ्रीका में थे।
- सत्याग्रह का अर्थ है सत्य को स्वीकार करने के लिए आग्रह करना।
- भारत आने के बाद गांधी जी ने सत्याग्रह आन्दोलन चलाया जिसके अन्तर्गत 1917 में बिहार के चम्पारण में दमनकारी वागान व्यवस्था (नील की खेती) के खिलाफ सत्याग्रह किया।

भारत में गांधी जी द्वारा चलाए गये सत्याग्रह/आंदोलन

आंदोलन	वर्ष	स्थान	राज्य	कारण
चंपारण सत्याग्रह	1917	चंपारण	बिहार	दमनकारी वागान व्यवस्था के खिलाफ
खेड़ा सत्याग्रह	1918	खेड़ा	गुजरात	कर में छूट दिलवाने के लिए
अहमदाबाद सत्याग्रह	1918	अहमदाबाद	गुजरात	कपड़ा कारखानों में काम करने वाले मजदूरों के समर्थन में
खिलाफत आंदोलन	1919- 2024	उत्तर प्रदेश, बिहार	उत्तर प्रदेश, बिहार	मुस्लिम समुदाय की धार्मिक और राजनीतिक अस्मिता के लिए और ब्रिटिश शासन के खिलाफ।
असहयोग आंदोलन	1920- 2022	संपूर्ण भारत एवं चौरी चौरा	उत्तर प्रदेश	ब्रिटिश शासन के खिलाफ असहमति और भारतीयों पर किए जा रहे अत्याचारों के विरोध में।
नमक सत्याग्रह	1930	दांडी	गुजरात	नमक पर ब्रिटिश कर के खिलाफ और भारतीयों को अपना नमक बनाने का अधिकार दिलाने के लिए।
सविनय अवज्ञा आंदोलन	1930- 2031	साबरमती आश्रम	गुजरात	ब्रिटिश कानूनों का उल्लंघन करके भारतीयों की स्वतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने के लिए।
भारत छोड़ो आंदोलन	1942	मुंबई	महाराष्ट्र	ब्रिटिश साम्राज्य को भारत से बाहर निकालने के लिए और स्वतंत्रता संग्राम को तेज करने के लिए।

- 1918 में महात्मा गांधी ने गुजरात के खेड़ा जिले के किसानों की मदद के लिए सत्याग्रह किया।
- 1918 में गांधी जी ने सूती कपड़ा कारखाना के मजदूरों के समर्थन में सत्याग्रह किया।
- रैली एक्ट 1919 में बना जिसके अन्तर्गत राजनीतिक कैदियों को बिना मुकदमा चलाए दो साल तक जेल में बन्द रखने का प्रावधान।
- 6 अप्रैल 1919 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में अखिल भारतीय हड़ताल का आयोजन किया। जिसके अन्तर्गत विभिन्न शहरों में रैली, जुलूस हुए, रेल्वे वर्कशाप में कामगारों की हड़ताल हुई, दुकानें बन्द हो गयी।
- जलियावाला बाग हत्याकाण्ड 13 अप्रैल 1919 में अमृतसर के जलियावाला बाग में हुआ था।
- जलियावाला बाग हत्याकाण्ड के विरोध में गांधी जी ने केसर-ए-हिन्द की उपाधि त्याग दी थी।

- खिलाफल आन्दोलन 1919 में शौकत अली व मुहम्मद अली द्वारा शुरू किया गया था ।
- महात्मा गांधी ने हिन्द स्वराज नामक पुस्तक 1909 में लिखी थी ।
- असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव 1920 ई. में कलकत्ता अधिवेशन में पारित हुआ था ।
- 1922 में चौरी-चौरा की घटना से दुखी होकर महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन को वापस ले लिया था ।
- प्रदर्शन विरोध का एक ऐसा स्वरूप है जिसमें लोग किसी दुकान, फैक्ट्री या दफ्तर के भीतर जाने का रास्ता रोक लेते हैं उसे पिकेटिंग कहते हैं ।
- औपनिवेशिक शासन के दौरान बहुत सारे लोगों को काम के लिए फीजी, गुयाना, वेस्टइंडीज आदि स्थलों पर ले जाया गया जिन्हें बाद में गिरमिटिया कहा जाने लगा । जिस अनुबंध के अन्तर्गत उन मजदूरों को बाहर ले जाया जाता था उसे गिरमिट कहते थे ।
- बिना किसी पारिश्रमिक (मेहनताना) के किसी काम को करवाना बेगार कहलाता है ।
- भारत में बेगारी प्रथा का नेतृत्व अल्लूरी सीताराम राजू ने किया था जिन्हें 1924 में फांसी दे दी गयी ।
- 1928 में बल्लभ भाई पटेल ने गुजरात के बारदोली तालुका में किसान आन्दोलन का नेतृत्व किया, जो कि भू राजस्व को बढ़ाने के खिलाफ था वह बारदोली सत्याग्रह के नाम से जाना जाता है ।
- सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने परिषद राजनीति में वापस लौटने के लिए कांग्रेस के भीतर ही स्वराज पार्टी का गठन कर डाला ।
- भारत में संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करने के लिए 1927 में साइमन कमीशन का गठन ब्रिटेन में किया गया ।
- 1928 में साइमन कमीशन भारत पहुंचा, जिसका पूरे भारत में विरोध हुआ और साइमन कमीशन वापस जाओ का नारा लगाया ।
- जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में दिसम्बर 1929 को कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग को औपचारिक रूप दे दिया गया ।
- नमक या दाण्डी यात्रा 12 मार्च 1930 को शुरू किया गया ।
- महात्मा गांधी ने अपने 78 साथियों के साथ नमक यात्रा शुरू की ।
- गांधी जी 6 अप्रैल 1930 को गाँव दाण्डी पहुंचे और वहाँ नमक कानून को तोड़ा ।
- गाँधी जी ने एक बार फिर आन्दोलन वापस ले लिया । 15 मार्च 1931 को उन्होंने इरविन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए ।
- विश्व आर्थिक मंदी 1929 में हुई थी जिसका असर भारत में भी पड़ा था ।
- वायस राय लार्ड इरविन के अक्टूबर 1929 में भारत के लिए डोमीनियन स्टेट्स का ऐलान किया था ।
- दिसम्बर 1929 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज को औपचारिक रूप से मान लिया गया ।
- 26 जनवरी 1930 को गांधी जी ने वायसराय इरविन को पत्र लिखा और 11 सूत्रीय माँगों का उल्लेख किया था ।

- 1928 में हिन्दूस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की स्थापना भगत सिंह एवं चंद्रशेखर आजाद ने की थी। इसमें जतिनदास और अजय घोष शामिल थे।
- 1929 में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने लेजिस्लेटिव असेंबली में बम फेंका। उसी वर्ष उस ट्रेन को उड़ाने का प्रयास किया गया जिसमें लार्ड इरविन यात्रा कर रहे थे।
- जिस समय भगत सिंह पर मुकदमा चला और उन्हें फांसी दी गयी उस समय उनकी उम्र केवल 23 वर्ष थी। अपने मुकदमे के दौरान भगत सिंह ने कहा था कि वे "बम और पिस्तौल की उपासना नहीं करते बल्कि समाज में क्रान्ति चाहते हैं"।
- भगत सिंह ने इंकलाब जिन्दाबाद का नारा दिया था।
- सिविल नाफरमानी आन्दोलन में औरतों ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लिया था।
- महात्मा गांधी ने ऐलान किया था कि अस्पृश्यता (छुआछूत) को खत्म किए बिना सौ साल तक भी स्वराज की स्थापना नहीं की जा सकती।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 1930 में दलितों को दमित वर्ग एसोसिएशन में संगठित किया था।
- 1930 में मुस्लिम लीग के अध्यक्ष सर मोहम्मद इकबॉल ने मुसलमानों के लिए अल्पसंख्यक राजनीतिक हितों की रक्षा के उद्देश्य से प्रथम निर्वाचिका की जरूरत पर जोर दिया।
- 20वीं सदी में राष्ट्रवाद के विकास के साथ भारत की पहचान भी भारत माता की छवि का रूप लेने लगी थी। इस छवि के निर्माण का आरम्भ बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने किया था।
- 1870 के दशक में बंकिम चन्द्र चट्टी ने मातृभूमि की स्तुति के रूप में वन्दे मातरम् गीत लिखा था। जिसे बाद में उन्होंने अपने उपन्यास आनन्दमठ में शामिल कर लिया था।
- स्वदेशी आन्दोलन की प्रेरणा से अबनीन्द्र नाथ टैगोर ने भारत माता की विष्वात छवि को चित्रित किया। इस पैटिंग में भारत माता को एक सन्यासिनी के रूप में दर्शाया गया है।
- मद्रास में नटेसा शास्त्री ने "द फोकलोर्स ऑफ सर्दन इण्डिया" के नाम से तमिल लोक कथाओं का विशाल संकलन चार खण्डों में प्रकाशित किया।
- बंगाल में स्वदेशी आन्दोलन के दौरान एक तिरंगा झण्डा (हरा, पीला, लाल) तैयार किया गया।
- 1921 तक गांधी जी ने भी स्वराज का झण्डा तैयार कर लिया था। यह भी तिरंगा (सफेद, हरा, लाल) था इसके मध्य में गांधीवादी प्रतीक चरखे को जगह दी गयी थी, जो स्वावलंबन का प्रतीक था।
- किप्समिशन की असफलता एवं द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों ने भारत में व्यापक असंतोष को जन्म दिया, इसके फलस्वरूप गांधी जी ने एक आन्दोलन शुरू किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों के पूरी तरह से भारत छोड़ने पर जोर दिया।
- गांधी जी द्वारा अगस्त 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन शुरू किया गया गया और उन्होंने "करो या मरो" का नारा दिया।
- भारत छोड़ो आन्दोलन में जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली एवं राम मनोहर लोहिया और बहुत सारी महिलाएँ जैसे बंगाल से मातांगिनी हाजरा, असम से कनकलता बरुआ और उड़ीसा से रमा देवी ने सक्रिय भागीदारी की थी।

भारत में राष्ट्रवाद एक नजर में

1914	प्रथम विश्व युद्ध का प्रारंभ
1915	महात्मा गांधी की दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश वापसी
1917	महात्मा गांधी द्वारा नील कृषि के विरोध में चंपारण आंदोलन
1918	खेड़ा
1918	महात्मा गांधी द्वारा गुजरात के अहमदाबाद में सूती कपड़ा मिल के कारीगरों के लिए सत्याग्रह
1918	प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति
1919	रैलट एक्ट कानून
13 अप्रैल 1919	जलियावाला बाग हत्याकांड (वैशाख पूर्णिमा)
1919	खिलाफत आंदोलन की शुरुआत (शौकत अली व मुहम्मद अली द्वारा)
1920	कलकत्ता अधिवेशन में असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पारित
1920	असहयोग आंदोलन
फरवरी 1922	चौरी-चौरा कांड / असहयोग आंदोलन वापस
1923	सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू द्वारा स्वराज दल की स्थापना
मई 1924	अल्लूरी सीताराम राजू की गिरफ्तारी, दो वर्ष से चला आ रहा हथियारबंद आदिवासी संघर्ष समाप्त
9 अगस्त 1925	काकोरी में क्रान्तिकारियों ने अंग्रेजी खजाना ले जा रही टेन को लूटा
1928	साइमन कमीशन भारत आया
1928	वल्लभ भाई पटेल बारदोली किसान आंदोलन
दिसम्बर 1929	लाहौर कांग्रेस अधिवेशन, पूर्ण स्वराज की माँग स्वीकार
12 मार्च 1930	महात्मा गांधी द्वारा साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा शुरू
6 अप्रैल 1930	दांडी पहुँचकर महात्मा गांधी ने नमक कानून तोड़ा एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की
1930	डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दमित वर्ग एसोसिएशन की स्थापना
23 मार्च 1931	भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को अंग्रेजों द्वारा फांसी
1931	गांधी-इरविन समझौता व सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस
1931	महात्मा गांधी द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में शामिल
1932	पूना पैकट - महात्मा गांधी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के मध्य
8 अगस्त 1942	भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ (गांधी जी द्वारा करो या मरो का नारा)

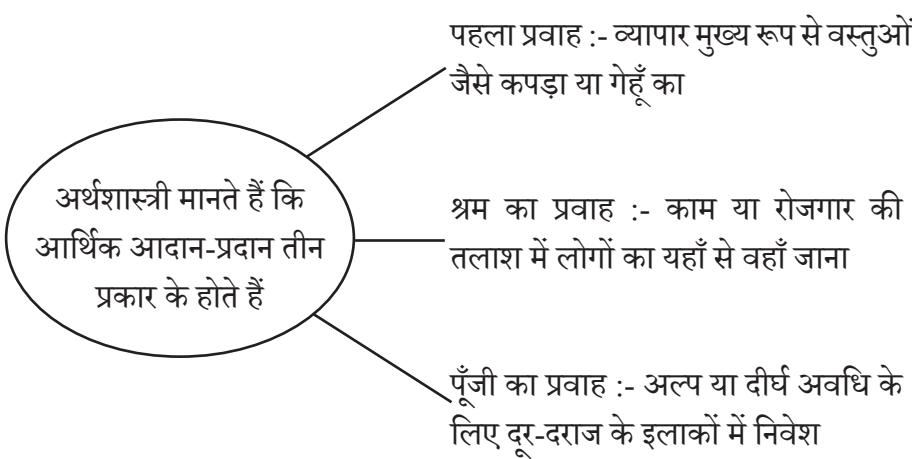
अध्याय - 3

भू मंडलीकृत विश्व का बनना

- वैश्वीकरण एक आर्थिक प्रणाली है जिसमें व्यक्तियों, सामानों और नौकरियों का एक देश से दूसरे देश के बीच होता है।
- दुनियाँभर में आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक प्रणालियों का एकीकरण भू-मण्डलीकरण कहलाता है।
- सिल्क रूट (रेशम मार्ग) एक ऐतिहासिक व्यापार था जो दूसरी शताब्दी ई. पूर्व से 14वीं शताब्दी तक, यह चीन, भारत, फ्रांस, अरब, ग्रीस और इटली को पीछे छोड़ते हुए एशिया से भूमध्य सागरीय तक फैला था। उस दौरान हुए भारी रेशम व्यापार के कारण इसे सिल्क रूट करार दिया गया था।
- सिल्क मार्ग - ये मार्ग एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका के साथ-साथ विश्व को जमीन और समुद्र मार्ग से जोड़ते थे।
- नूडल्स चीन से पश्चिम देशों में पहुँचे और वहाँ उन्हीं से स्पैष्टेती का जन्म हुआ।
- पास्ता अरब यात्रियों के साथ पाँचवीं सदी में सिसली पहुँचा। सिसली इटली का ही एक टापू है।
- आलू, सोया, मूँगफली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद यूरोप में तब आये जब क्रिस्टोफर कोलंबस ने गलती से अमेरिकी महाद्वीपों को खोज निकाला।
- आयरलैण्ड के गरीब काश्तकार तो आलू पर इस हद तक निर्भर हो चुके थे कि जब 1840 के दशक के मध्य में किसी बीमारी के कारण आलू की फसल खराब हो गयी तो लाखों लोग भुखमरी के कारण मौत के मुँह में चले गये।
- आज के पेरू और मैक्सिको में मौजूद खानों से निकलने वाली कीमती धातुओं खासतौर से चाँदी ने भी यूरोप की सम्पदा को बढ़ाया और पश्चिमी एशिया के साथ होने वाले उसके व्यापार को गति प्रदान की।

जैविक युद्ध -

- न्यू इंग्लैण्ड स्थित मैसाचुसेट्स में कॉलोनी के पहले गवर्नर जॉन विनथार्प ने 1634 में लिखा था, कि छोटी चेचक उपनिवेशकारों के लिए ईश्वर का वरदान है 'देशी जनता छोटी चेचक के कारण लगभग पूरी खत्म हो चुकी थी। इस तरह परमेश्वर ने हमारी मिल्कियत पर हमें मालिकाना दे दिया।'
- जो स्थापित विश्वासों और तरीकों को नहीं मानता, असंतुष्ट कहलाता है।
- अठारहवीं शताब्दी का काफी समय बीत जाने के बाद भी चीन और भारत को दुनियाँ के सबसे धनी देशों में गिना जाता था।
- उन्नीसवीं सदी तक यूरोप में गरीबी और भूख का ही साम्राज्य था।



- 18वीं सदी के आखिरी दशक तक ब्रिटन में "कार्न ला" था।
- कार्न ला - कार्न ला वह कानून था जिसके द्वारा सरकार ने मक्का के आयात पर रोक लगा दी थी।



- नयी नहरों की सिंचाई वाले इलाकों में पंजाब के अन्य स्थानों के लोगों को लाकर बसाया गया। उनकी बस्तियों को केनाल कालोनी (नहर बस्ती) कहा जाता था।
- 1820 से 1914 के मध्य विश्व व्यापार में 25 से 40 गुना वृद्धि हो चुकी थी। उस व्यापार में लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा प्राथमिक उत्पादों यानी गेहूँ और कपास जैसे कृषि उत्पादों तथा कोयले जैसे खनिज पदार्थ का था।
- रिंडरपेस्ट प्लेग की भाँति फैलने वाली मरेशियों की बीमारी थी।
- रिंडरपेस्ट बीमारी 1890 ई. के दशक में बड़ी तेजी से फैली।
- ऐसे मजदूर जो किसी खास मालिक के लिए खास अवधि के लिए काम करने को प्रतिबद्ध होते हैं, बंधुआ मजदूर कहलाते हैं।
- आर्थिक महामन्दी की शुरुआत 1929 से हुई थी। यह संकट तीन दशक के मध्य तक बना रहा।
- 1944 में अमेरिका स्थित न्यू हैम्पशायर के ब्रेटन बुड्स नामक स्थान पर संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक एवं वित्तीय सम्मेलन में सहमति बनी थी।
- ब्रेटन बुड्स व्यवस्था विनिमय दरों पर आधारित होती थी।

- एक कानून या निकाय द्वारा किए गए प्रस्ताव को अस्वीकार करने का संवैधानिक अधिकार वीटो कहलाता है।
- एक देश के आयात या निर्यात पर दूसरे देश द्वारा लगाया जाने वाला कर आयात शुल्क कहलाता है। प्रवेश के बिन्दु पर शुल्क लगाया जाता है, अर्थात् सीमा या हवाई अड्डे पर।
- विनिमय दर के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सुविधा के लिए विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मुद्राओं को एक दूसरे से जोड़ा जाता है।
- मोटे तौर पर विनिमय दर दो प्रकार की होती है। (1) स्थिर विनिमय दर, (2) परिवर्तनशील विनिमय दर
- जब विनिमय दर स्थिर होती है और उनमें आने वाले उतार-चढ़ावों को नियंत्रित करने के लिए सरकारों को हस्तक्षेप करना पड़ता है। ऐसी विनिमय दर को स्थिर विनिमय दर कहा जाता है।
- ऐसी विनिमय दर जो विदेशी मुद्रा बाजार में विभिन्न मुद्राओं की माँग या आपूर्ति के आधार पर और सिद्धांत, सरकारों के हस्तक्षेप के बिना घटती-बढ़ती रहती है, लचीली या परिवर्तनशील विनिमय दर कहलाती है।
- कार निर्माता हेनरी फोर्ड वृहत उत्पादन के विव्यात प्रणेता थे। उन्होंने शिकागो के एक बूचड़खाने की असेंबली लाइन की तर्ज पर डेट्रायर के अपने कारखाने में भी आधुनिक असेंबली लाइन स्थापित की थी।
- प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कीन्स का मानना था कि भारतीय सोने के निर्यात से भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में मदद मिली।
- भारत में आर्थिक मंदी के समय महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा (सिविल नाफरमानी) आन्दोलन शुरू किया था।
- द्वितीय विश्व युद्ध के समय दुनियाँ दो खेमे में बँटी थी, एक गुट में धुरी शक्तियाँ (मुख्य रूप से नात्सी, जर्मनी, जापान एवं इटली) थी। तो दूसरा खेमा मित्र राष्ट्रों (ब्रिटेन, सोवियत संघ, फ्रांस और अमेरिका) के नाम से जाना जाता था।
- द्वितीय विश्व युद्ध में करीब 6 करोड़ लोग मारे गये और करोड़ों लोग घायल हुए थे।
- विदेश व्यापार में लाभ और घाटे से निपटने के लिए ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में 1947 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) की स्थापना की गयी।
- एक साथ बहुत सारे देश में व्यवसाय करने वाली कंपनियों को बहुराष्ट्रीय निगम (मल्टीनेशनल कार्पोरेशन-एमएनसी) या बहुराष्ट्रीय कम्पनी कहा जाता है।
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों की स्थापना 1920 के दशक में की गई थी।

अध्याय- 4

औद्योगीकरण का युग

- ई.टी. पाल म्यूजिक कंपनी ने संगीत की एक किताब प्रकाशित की थी।
- ई.पी. पाल अमेरिका का एक संगीतकार था।
- भूमध्य सागर के पूर्व में स्थित देशों को प्राच्य कहा जाता है।
- किसी चीज की पहली या प्रारंभिक अवस्था को आदि कहा जाता है।
- औद्योगीकरण के पहले समय को आदि औद्योगीकरण कहा जाता है।
- उत्पादकों के संगठन को गिल्डस कहा जाता था।
- ऐसा व्यक्ति जो रेशो के हिसाब से ऊन को 'स्टेपल' करता है स्टेपलर कहलाता है।
- लंदन को फिनिशिंग सेंटर के रूप में जाना जाता था।
- ऐसा व्यक्ति जो फुल करता है यानी चुन्नटों के सहारे कपड़े को समेटता है फुलर कहलाता है।
- वह प्रक्रिया जिसमें कपास या ऊन आदि रेशों को कताई के लिए तैयार किया जाता है- काडिंग कहलाती है।
- सबसे पहली औद्योगिक क्रांति इंग्लैंड में हुई।
- सबसे पहली सूती कपड़ा मिल रिचर्ड आर्कराइट ने लगाई।
- सूती उद्योग और कपास उद्योग ब्रिटेन के सबसे फलते फूलते उद्योग थे।
- भाप के इंजन का आविष्कार जेम्स वाट ने किया।
- विक्टोरिया कालीन ब्रिटेन में उच्च वर्ग के लोग कुलीन और पूँजीपति वर्ग हाथों से बनी चीजों को तरजीह देते थे।
- स्पिनिंग जैनी कताई की एक मशीन थी।
- स्पिनिंग जैनी का आविष्कार जेम्स हरग्रीव्ज ने किया था।
- स्पिनिंग जैनी का आविष्कार 1764 में हुआ।
- कंपनी ने बुनकरों पर निगरानी रखने वेतनभोगी कर्मचारी तैनात किए जिन्हें गुमाश्ता कहा जाता था।
- भारत का मैनचेस्टर अहमदाबाद है।
- भारत में पहली कपड़ा मिल मुंबई में लगी।
- पहली कताई और बुनाई मिल मद्रास में खुली।
- चीन के साथ व्यापार और जहाजरानी का काम जमशेद जीजीभोये ने किया।
- देश की पहली जूट मिल सेठ हुकुमचंद ने लगाई थी।
- देश की पहली जूट मिल 1917 में कोलकाता में लगी थी।
- द्वारकानाथ टैगोर ने जहाजरानी, जहाज निर्माण, खनन, बैंकिंग बागान और बीमा क्षेत्र में निवेश किया था।
- जमशेदपुर में भारत का पहला लौह एवं इस्पात संयंत्र जे.एन. टाटा ने स्थापित किया।
- भारत का पहला लौह एवं इस्पात संयंत्र 1912 में स्थापित किया।

- उन्नीसवीं सदी में उद्योगपति नए मजदूरों की भर्ती के लिए पुराने और विश्वस्त कर्मचारी रखते थे जिन्हें जाबर कहा जाता था ।
- अलग-अलग इलाकों में 'सरदार या मिस्त्री' आदि को जाबर भी कहा जाता था ।
- भाई भोसले मुंबई के ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता थे ।
- रस्सियों और पुलियों के जरिए चलने वाला एक यांत्रिक औजार जिसका बुनाई के लिए इस्तेमाल किया फ्लाई शटल कहलाता है ।
- चीजों की गुणवत्ता के प्रतीक को लेबल कहा जाता है ।
- वस्तुओं / उत्पादों के लेबलों पर भारतीय देवी-देवताओं की तस्वीरें होती थी ।
- पहले विश्व युद्ध तक भारत का औद्योगिक विकास धीमा था ।

अध्याय - 5

मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनियाँ

- मुद्रण की सबसे पहली तकनीक चीन, जापान और कोरिया में विकसित हुई ।
- पारंपरिक चीनी किताब 'एकॉडियन' शैली में किनारों को मोड़ने के बाद सिल कर बनाई जाती थी ।
- किताबों का सुलेखन या खुशनवीसी करने वाले लोग दक्ष सुलेखक होते थे ।
- मुद्रित सामग्री का सबसे बड़ा उत्पादक चीनी राजतंत्र था ।
- चीनी बौद्ध छपाई की तकनीक लेकर जापान आए ।
- जापान की सबसे पुरानी पुस्तक डायमंड सूत्र है ।
- त्रिपीटका कोरियाना वुडब्लाक्स मुद्रण के रूप में बौद्ध ग्रंथों का कोरियाई संग्रह है ।
- कितागावा उतामारो ने उकियो नाम की चित्रकला शैली में अहम योगदान दिया ।
- चीन से रेशम और मसाले रेशम मार्ग से यूरोप आते थे ।
- मार्को पोलो वुड ब्लाक वाली छपाई की तकनीक चीन से लेकर आया था ।
- चर्म पत्र या जानवरों के चमड़े से बनी लेखन की सतह को बेलम कहा जाता था ।
- गुटेन्बर्ग का पूरा नाम योहान गुटेन्बर्ग था ।
- प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार गुटेन्बर्ग ने 1448 में किया ।
- ग्रेन्वर्ग के जैतून प्रेस प्रिंटिंग का माडल बनाया था ।
- गुटेन्बर्ग ने सबसे पहली किताब बाइबिल छापी थी ।
- गुटेन्बर्ग ने बाइबिल की 180 प्रतियाँ छापी थी ।
- गुटेन्बर्ग ने छपाई के लिए रोमन वर्णमाला के 26 अक्षरों के टाइप बनाए थे ।
- गुटेन्बर्ग की प्रिंटिंग मशीन को मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन के नाम से जाना गया ।

- लेटरप्रेस छपाई में प्लाटेन एक बोर्ड होता है।
- छपाई के लिए इबारत कम्पोज करने वाले व्यक्ति को कम्पोजीटर कहा जाता है।
- धातुई फ्रेम जिसमें टाइप बिछाकर इबारत बनाई जाती थी गैली कहलाती थी।
- लोकगीत का ऐतिहासिक आख्यान जिसे गाया या सुनाया जाता गाथा गीत कहलाता है।
- मार्टिन लूथर एक धर्म सुधारक थे।
- मार्टिन लूथर ने कहा "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम् देन है, सबसे बड़ा तोहफा"।
- सोलहवीं सदी यूरोप में रोमन कैथोलिक चर्च में सुधार के आंदोलन को प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार कहा गया।
- इटली में धर्म-द्रोहियों की शिनाख्त करने और सजा देने वाली रोमन कैथोलिक संस्था को इन्क्वीजीशन कहा गया।
- ड्रैस्मस ने कहा "किताबें भिन्नभिन्नती मिलिखियों की तरह हैं, दुनिया का कौन सा कोना है जहाँ ये नहीं पहुंच पाती" ?
- इन्सान या विचार जो चर्च की मान्यताओं से असहमत होते थे धर्म विरोधी कहलाते थे।
- किसी धर्म का एक उपसमूह संप्रदाय कहा जाता है।
- पॉकेट बुक के आकार की किताबों को चैपबुक कहा जाता था।
- इंग्लैंड में पेनी चैपबुक्स या एकपैसिया किताबें बेचने वालों को चैपमेन कहा जाता था।
- रूसो एक दार्शनिक थे।
- फ्रांस के उपन्यासकार लुई सेबेस्टिएं मर्सिए ने घोषणा की "छापाखाना प्रगति का सबसे ताकतवर औज़ार है, इसमें बन रही जनमत की आँधी में निरंकुशवाद उड़ जाएगा"।
- राजकाज की ऐसी व्यवस्था, जिसमें किसी एक व्यक्ति को संपूर्ण शक्ति प्राप्त हो, उस पर कोई पाबंदी ना हो निरंकुशवाद कहलाता है।
- बाल पुस्तकें छापने के लिए प्रेस फ्रांस में स्थित किया गया।
- ग्रिम बंधु जर्मनी देश के निवासी थे।
- "गीत गोविंद" की रचना संस्कृत के महान कवि जयदेव ने की थी।
- पांडुलिपियाँ ताड़ के पत्तों या हाथ से बने कागज पर नकल कर बनाई जाती थी।
- भारत में प्रिंटिंग प्रेस लाने का श्रेय पुर्तगालियों को जाता है।
- भारत में सबसे पहली प्रिंटिंग प्रेस सोलहवीं सदी में गोवा में लगाई गई।
- भारत में सबसे पहले कोंकणी और कन्नड़ भाषाओं में किताबें छापी गई।
- भारत में प्रेस के जनक जेम्स आगस्टस हिक्की हैं।
- राजा राममोहन राय ने एक बंगाली साप्ताहिक समाचार पत्र संवाद कौमुदी प्रकाशित किया।
- दो फारसी अखबार जाम-ए-जहाँ नामा और शम्सुल अखबार 1882 में प्रकाशित हुए।
- इस्लामी कानून और शारिया के विद्वान को उलमा कहा जाता था।

- इस्लामी कानून जानने वाले विद्वान द्वारा की जाने वाली घोषणा फ़तवा कहलाता है।
- तुलसीदास की सोलहवीं सदी की किताब रामचरितमानस का पहला मुद्रित संस्करण कलकत्ता से प्रकाशित हुआ।
- राजा रवि वर्मा उन्नीसवीं सदी के भारत के प्रसिद्ध चित्रकार थे।
- रससुन्दरी देवी बंगाली साहित्य की प्रारम्भिक महिला लेखक थी।
- हिन्दी छपाई की शुरुआत 1870 के दशक से हुई।
- अमर जीवन नामक आत्मकथा रससुन्दरी देवी ने लिखी।
- ज्योतिबा फुले ने अपनी पुस्तक गुलामगिरी में जाति प्रथा के अत्याचारों पर लिखा।
- मद्रास में ई.वी. रामास्वामी नायकर को पेरियार नाम से जाना जाता है।
- आधुनिक असमिया साहित्य के एक वरिष्ठ रचनाकार लक्ष्मीनाथ बेजबरूवा थे।
- असम की लोकप्रिय गीत 'ओ मेरे अपुनर देश' लक्ष्मीनाथ बेजबरूवा ने लिखा था।
- बालगंगाधर तिलक ने मराठी भाषा का समाचार पत्र केसरी निकाला।
- भारतीय भाषाओं के पत्र पत्रिकाओं पर कड़ा नियंत्रण रखने के लिए वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट 1878 में लागू किया गया।

लोकतांत्रिक राजनीति

अध्याय - 1

सत्ता की साझेदारी

- बेल्जियम यूरोप का एक छोटा सा देश है।
- श्रीलंका में अधिकतर सिंहली-भाषी लोग बौद्ध हैं। जबकि तमिल-भाषी लोगों में कुछ हिन्दू हैं और कुछ मुसलमान।
- सन् 1956 में श्रीलंका की राजभाषा 'सिंहली' घोषित की गई।
- बेल्जियम राज्य की सीमाएँ फ्रांस, नीदरलैण्ड, जर्मनी और लक्समर्बर्ग राज्य से लगी हुई हैं।
- बेल्जियम राज्य के 59 प्रतिशत लोग फ्लेमिश इलाके में रहते हैं।
- श्रीलंका में तमिल लोग अल्पसंख्यक हैं।
- बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स है।
- बेल्जियम स्वतन्त्र राज्य सन् 1830 में बना।
- श्रीलंका स्वतन्त्र राष्ट्र सन् 1948 में बना।
- बेल्जियम में सामुदायिक सरकार का चुनाव एक ही भाषा (डच, जर्मन) बोलने वाले लोग करते हैं।
- लोकतांत्रिक देश में शासन के विभिन्न अंग जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बँटवारा किया जाता है। जिसे सत्ता का क्षैतिज वितरण कहते हैं।
- श्रीलंका में सिंहली आबादी का बहुमत था।
- श्रीलंका में विश्वविद्यालयों एवं सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता दी गई थी।
- श्रीलंका के संविधान में यह प्रावधान किया गया कि सरकार बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा देगी।
- श्रीलंका दो समुदायों तमिल और सिंहली में बँटा हुआ है।
- श्रीलंका में तमिलों ने तमिल को राजभाषा बनाने, क्षेत्रीय स्वायत्तता हासिल करने तथा शिक्षा एवं रोजगार के समान अवसरों की माँग के लिए संघर्ष किया। -तमिल इलम
- यूरोपीय संघ का मुख्यालय ब्रूसेल्स में है।
- बेल्जियम में संघात्मक शासन व्यवस्था है।
- औपनिवेशिक शासनकाल में बागानों में काम करने वाले भारत से लाए गए लोग थे।
- श्रीलंका में तमिल मुख्य रूप से उत्तर और पूर्वी प्रांतों में रहते हैं।
- बेल्जियम में डच भाषी लोग बड़ी संख्या में रहते हैं।
- श्रीलंका में बौद्ध धर्मावलंबी, सिंहलियों का नेतृत्व करते थे।

- किसी देश में सरकार विरोधी समूहों की हिंसक लड़ाई जो युद्ध के समान लगे, गृह युद्ध कहलाती है।
- यूरोपीय देशों ने साथ मिलकर यूरोपीय संघ बनाने का फैसला किया तो ब्रूसेल्स को उसका मुख्यालय चुना गया।
- श्रीलंका में व्यवहारिक रूप से अभी भी एकात्मक शासन व्यवस्था है।
- श्रीलंका में तमिल और सिंहली समुदायों के बीच संघर्ष हुआ।
- सत्ता का सीधा बैंटवारा केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच होता है।
- श्रीलंका में गृह युद्ध की समाप्ति वर्ष 2009 में हुई।

अध्याय - 2

संघवाद

- एकात्मक शासन व्यवस्था में शासन का एक ही स्तर होता है।
- सत्ता की साझेदारी लोकतन्त्र की आत्मा है। भारतीय संघ का गठन संघीय शासन व्यवस्था के सिद्धान्त पर हुआ।
- दुनिया के 193 देशों में से केवल 25 में संघीय शासन व्यवस्था है।
- भारत में दो स्तरीय शासन व्यवस्था हैं - केन्द्र सरकार और राज्य सरकार।
- भारतीय संघ का प्रतिनिधित्व केन्द्र सरकार करती है।
- संघवाद में संविधान के द्वारा विभिन्न शक्तियों का बंटवारा होता है।
- केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच विधायी अधिकारों को तीन सूचियों में बाँटा गया है -

क्र.	सूची	विषय
1.	संघ सूची	प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, बैंकिंग संचार और मुद्रा
2.	राज्य सूची	व्यापार, कृषि और सिंचाई पुलिस प्रांतीय और स्थानीय महत्व के विषय
3.	समवर्ती सूची	शिक्षा, वन मजदूर संघ विवाह, गोद जैसे विषयों

- संघवाद दो या दो से अधिक स्तरों में बाँटा हुआ है।
- भारत में 73वाँ संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई।
- हमारे संविधान में किसी एक भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया।
- भारत ने सन् 1947 में लोकतंत्र की राह पर अपनी जीवन यात्रा शुरू की।
- संघवाद से देश की एकता और अखण्डता की रक्षा होती है।
- संविधान के अनुच्छेद 36 में विशेष शक्तियों का लाभ - असम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम को प्राप्त है।

- संविधान में हिन्दी के अलावा अन्य 21 भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा दिया गया है। कुल 22 भाषाएँ।
- सत्ता का विभिन्न स्तरों के बीच ऊर्ध्वाधर वितरण लोकतन्त्र कहलाता है।
- सरकारें एक ही नागरिक समूह पर शासन करती हैं, पर कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन का उनका अपना-अपना अधिकार क्षेत्र होता है।
- संघीय शासन व्यवस्था के दो उद्देश्य हैं :- देश की एकता की सुरक्षा करना और उसे बढ़ावा देना।
- भाषा के आधार पर प्रांतों का गठन हमारे देश की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए पहली और कठिन परीक्षा थी।
- राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट को सन् 1956 में लागू किया गया।
- भारत में हिन्दी लगभग 44 प्रतिशत लोगों की मातृभाषा है।
- भारतीय संविधान में भारत को राज्यों का संघ घोषित किया गया है।
- प्रतिरक्षा और विदेशी मामले संघ सूची में शामिल होते हैं।
- भाषाओं को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में रखा गया है।
- भारत, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, स्विटजरलैण्ड आदि देशों में संघात्मक शासन व्यवस्था लागू है।
- भारत में शासन का तीसरा स्तर पंचायत एवं नगरीय विकास है।
- शासन के दो रूप हैं - एकात्मक शासन व्यवस्था, संघात्मक शासन व्यवस्था

अध्याय - 3

जाति, धर्म और लैंगिक मसले

- लैंगिक विभाजन सामाजिक अपेक्षाओं पर आधारित है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में साक्षरता दर 73 प्रतिशत थी।
- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में पुरुषों की साक्षरता 76 प्रतिशत है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार लिंग अनुपात 943/1000 है।
- 2011 में देश की आबादी में अनुसूचित जनजातियों का हिस्सा 8.6 प्रतिशत था।
- धर्म के आधार पर भेदभाव न करने वाले व्यक्ति को धर्मनिरपेक्ष कहते हैं।
- महिलाओं के लिए पंचायतों में एक तिहाई स्थान आरक्षित है।
- भारत की आबादी में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़ी जातियों का हिस्सा लगभग दो तिहाई है।
- जब हम लैंगिक विभाजन की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय समाज द्वारा स्त्री पुरुष को दी गई असमान भूमिकाओं से है।

- जातिवाद पर आधारित सामाजिक विभाजन सिर्फ भारत में ही है।
- भारत में औसतन एक स्त्री एक पुरुष की तुलना में रोज 1 घण्टा ज्यादा काम करती है।
- भारत में राज्यों की विधान सभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 8 फीसदी से अधिक हैं।
- 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति हजार बालकों पर बालिकाओं की संख्या 919 थी।
- निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- भारत में मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 ई. में हुई।
- हमारे देश के सभी स्त्री-पुरुष जिनकी आयु 18 वर्ष है, उन्हें वोट देने का अधिकार है। इसे वयस्क मताधिकार कहते हैं।
- भारत में बहुलीय प्रणाली प्रचलित है।
- भारत में चुनाव, चुनाव आयोग द्वारा सम्पन्न कराए जाते हैं।
- लैंगिक विभाजन की राजनीतिक अभिव्यक्ति और इस सवाल पर राजनीतिक गोलबंदी ने सार्वजनिक जीवन में औरतों की भूमिका को बढ़ाने में मदद की है।
- महिलाओं में साक्षरता की दर 2011 के अनुसार 54 प्रतिशत एवं पुरुषों में 76 प्रतिशत है।
- 2011 के अनुसार आज भी उच्च पद प्राप्त महिलाओं की संख्या पुरुषों की अपेक्षा कम है।
- समान मजदूरी से संबंधित अधिनियम में कहा गया है कि ‘‘समान काम के लिए समान मजदूरी दी जाएगी’’ आज के परिवेश में थी यह कथन असत्य है।
- भारत की विधायिका में महिला प्रतिनिधियों का अनुपात बहुत कम है।
- भारत में पंचायती राज के अंतर्गत एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं।
- महिला संगठनों की माँग है कि लोकसभा एवं राज्य विधान सभाओं की भी एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए।
- वर्ण-व्यवस्था अन्य जाति समूहों से भेदभाव और उन्हें अपने से अलग मानने की धारणा पर आधारित है।
- लोक सभा में महिला सांसदों की संख्या पहली बार 2019 में ही 14.36 फीसदी तक पहुंच सकी।
- समप्रदायिक - धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति।
- धर्मनिरपेक्ष - व्यक्तियों के बीच धार्मिक आस्था के आधार पर भेद-भाव ना करने वाला व्यक्ति।
- लिंग और धर्म पर आधारित विभाजन दुनिया भर में भारत में विभिन्न धार्मिक समुदाय की आबादी-

धार्मिक समुदाय	प्रतिशत
हिन्दू	19.8 %
मुस्लिम	14.2 %
इंसाई	2.3 %
सिख	1.7 %
अन्य	2 %

अध्याय - 4

राजनीतिक दल

- राजनीतिक दलों को मान्यता देने के लिए निर्वाचन आयोग बनाया गया है।
- भारत में निर्वाचन आयोग का कार्यालय दिल्ली में है।
- भारत में 5 वर्षों के बाद चुनाव होते हैं।
- निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- चुनाव में बहुमत प्राप्त दल को सत्तारूढ़ दल कहते हैं।
- जनमत-निर्माण में दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- नागरिकों का प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मताधिकार कहलाता है।
- बहुजन समाज पार्टी का गठन सन् 1984 में किया गया।
- कई दल मिलकर जब सरकार बनाते हैं तब वह सांझा सरकार या गठबंधन सरकार कहलाती है।
- यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैण्ड) में द्विलीय व्यवस्था है।
- बहुमत प्राप्त न करने वाले राजनैतिक दल को विपक्ष कहते हैं।
- 'भारतीय जनसंघ को 1980 में पुनर्जीवित करके' भारतीय जनता पार्टी का गठन किया गया।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में की गई।
- ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस 1 जनवरी 1998 को ममता बनर्जी के नेतृत्व में बनी।
- राजनीतिक दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है।
- लोकतन्त्र में नागरिकों का कोई भी समूह राजनीतिक दल बना सकता है।
- जिन देशों में एक ही दल को सरकार बनाने एवं चलाने की अनुमति होती है उन्हें एक दलीय शासन व्यवस्था कहा जाता है।
- दूसरे दलों के साथ मिलकर (गठबंधन) सत्ता चलाने का कार्य बहुदलीय व्यवस्था कहलाता है।
- सन् 2004 के संसदीय चुनाव में भारत में तीन प्रमुख गठबन्धन थे :-
 1. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन
 2. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन
 3. बहुदलीय व्यवस्था
- बहुजन समाज पार्टी का निर्माण स्व. कांशीराम के नेतृत्व में हुआ।
- कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) की स्थापना सन् 1964 में हुई।
- कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद सन् 1999 में नेशनल कांग्रेस पार्टी का निर्माण हुआ।
- क्षेत्रीय दल वे दल जिनका निर्माण किसी क्षेत्र विशेष में होता है जो आमतौर पर राज्य से प्राप्त होता है।
- देश में कोई नई पार्टी को निर्वाचन आयोग में अपना पंजीकरण करवाना अनिवार्य होता है।

दल	स्थापना	चिन्ह
ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस	1998	पुष्प और त्रण
बहुजन समाज पार्टी	1984	हाथी
भारतीय जनता पार्टी	1980	कमल
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	1925	हसिया और गेहूँ की बाली
नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी	1999	घड़ी
इंडियन नेशनल कांग्रेस	1885	हाथ का पंजा
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सिस्ट	1964	हसिया हथोड़ा

अध्याय - 5

लोकतन्त्र के परिणाम

- लोकतन्त्र में सभी नागरिकों को एक ही वोट देने का अधिकार है।
- भारत और जर्मनी ऐसे दो देश हैं, जहाँ लोकतन्त्र मजबूत है।
- आधुनिक लोग अन्य किसी भी वैकल्पिक शासन व्यवस्था की तुलना में लोकतन्त्र को पसन्द करते हैं।
- लोकतन्त्र के परिणामों का मूल्यांकन -
 1. नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है।
 2. व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।
 3. लोकतन्त्र में गलतियों को सुधारने की गुंजाइश होती है।
- आज विश्व के लगभग 200 देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू है।
- लोकतन्त्र सभी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं का समाधान कर सकता है।
- लोकतन्त्र हमारी सभी सामाजिक बुराइयों को मिटा देने वाली जादू की छड़ी है।
- "जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन" अब्राहम लिंकन की परिभाषा है।
- लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी सरकार का गठन होता है, जो कायदे कानून मानने में विश्वास रखती है।
- लोकतांत्रिक व्यवस्था राजनीतिक समानता पर निर्भर होती है।
- अलोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता नहीं होती है।

आर्थिक विकास कई कारकों पर निर्भर करता है :-

1. जनसंख्या का आकार
2. वैश्विक स्थिति
3. अन्य देशों से सहयोग
4. आर्थिक प्राथमिकताएँ

- तानाशाही और लोकतांत्रिक शासन वाले देशों के आर्थिक विकास में अन्तर होता है।
- लोकतांत्रिक व्यवस्था राजनीतिक समानता पर आधारित होती है।
- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाएँ शांति और सद्रभाष का जीवन जीने में नागरिकों के लिए मददगार साबित होती है।
- लोकतन्त्र की जरूरी शर्त है कि महिलाओं के साथ गरिमा और समानता का व्यवहार किया जाए।
- सफल प्रजातन्त्र के लिए लिखित संविधान होना आवश्यक है।
- लोकतन्त्र में जनता का हित सर्वोपरि होता है।
- प्रजातन्त्र दो प्रकार के होते हैं - प्रत्यक्ष प्रजातन्त्र, अप्रत्यक्ष लोकतन्त्र
- राज्य की सर्वोच्च सत्ता संप्रभुता कहलाती है।
- गैर-लोकतांत्रिक देशों में मजदूर अपने अधिकारों के लिए माँग उठाने में स्वतन्त्र हैं।
- अरस्तु ने प्रजातन्त्र को बहुतों का शासन कहा है।
- लोकतन्त्र "सरकार के उस रूप से सम्बंधित है जिसमें लोगों की शक्ति का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रयोग किया जाता है।"
- भारतीय संविधान 26 जनवरी सन् 1950 को लागू हुआ।
- संसार में लोकतांत्रिक, तानाशाही और राजतन्त्र प्रकार की सरकारें विद्यमान हैं।
- लोकतांत्रिक सरकार को लोगों द्वारा चुना जाता है इसलिए ऐसी सरकार वैध होती है।
- आर्थिक संवर्द्धि के मायने में तानाशाही शासन व्यवस्था का रिकार्ड अच्छा है।
- जाँच, परख और परीक्षा कभी खत्म नहीं होती यह लोकतन्त्र की विशेषता है।
- साम्यवादी शासन व्यवस्था चीन में लागू है।
- मानसिक रूप से विकलांग एवं दिवालिया व्यक्ति को मत देने का अधिकार नहीं है।

आर्थिक विकास की समझ

अध्याय - 1

विकास

- किसी देश के विकास के तीन संकेतक हैं -
(i) प्रति व्यक्ति आय, (ii) साक्षरता दर, (iii) स्वास्थ्य सुविधा की उपलब्धता
- सरदार सरोवर बाँध नर्मदा नदी पर बना है।
- विकास का अर्थ आर्थिक प्रगति के साथ ही समानता एवं स्वतंत्रता भी है।
- विभिन्न देशों के विकास की तुलना का एक प्रमुख आधार "प्रति व्यक्ति आय" है।
- विभिन्न देशों में विकास की तुलना का एक अन्य आधार "औसत साक्षरता दर" है।
- देशों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता उसके विकसित या अविकसित होने को दर्शाता है।
- किसी देश की राष्ट्रीय आय को उस देश की कुल जनसंख्या से भाग देकर प्रति व्यक्ति आय ज्ञात की जाती है।

सूत्र रूप में :-

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{देश की कुल आय}}{\text{देश की कुल जनसंख्या}}$$

- विभिन्न देशों की प्रतिव्यक्ति आय की तुलना के लिए उसकी गणना डॉलर में की जाती है।
 - विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वह देश जिनकी प्रति व्यक्ति आय 2019 में US \$ 49,300 प्रतिवर्ष या अधिक है वह समृद्ध देशों की श्रेणी में आते हैं।
 - भारत मध्य आय वर्ग के देशों की श्रेणी में है।
 - "शिशु मृत्यु दर" किसी वर्ष में जन्मे प्रति 1000 जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु के पूर्व मृत होने वाले बच्चों का अनुपात है।
 - 7 वर्ष या अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात साक्षरता दर कहलाता है।
 - भारत का सर्वाधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य - हरियाणा।
 - भारत का सर्वाधिक साक्षर राज्य केरल है।
 - केरल में स्वास्थ्य एवं शिक्षा की मौलिक सुविधाओं की पर्याप्त सुविधाएँ हैं, अतः वहाँ शिशु मृत्यु दर काफी कम है।
 - HDI का अर्थ है - मानव विकास सूचकांक।
- HDI के प्रमुख सूचक हैं :- i) प्रति व्यक्ति आय, ii) जीवन प्रत्याशा, iii) औसत साक्षरता दर
- भूमिगत जल नवीकरणीय संसाधन है।
 - नवीकरणीय संसाधनों की पुनः पूर्ति प्रकृति करती है।

- कच्चा तेल गैर नवीकरणीय संसाधन है।
- गैर नवीकरणीय संसाधन वर्षों के प्रयोग के पश्चात समाप्त हो जाते हैं।
- भारत कच्चे तेल का आयातक है।
- प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण दोहन "धारणीय विकास" है।
- **जीवन प्रत्याशा** - किसी व्यक्ति के औसत जीवनकाल का सांख्यिकीय अनुपात है।
- सार्वजनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व होता है।
- वायु प्रदूषण का मुख्य कारण उद्योगों, कारखानों, परिवहन के साधनों का धुंआ है।
- आणविक सरचनाओं में परिवर्तन विकास के साथ ही पर्यावरण की क्षति का कारण भी है।
- मानव विकास रिपोर्ट यू एन डी पी प्रकाशित करता है।
- यू एन डी पी का पूर्ण रूप है - "संयुक्त राष्ट्र संघ विकास कार्यक्रम"

अध्याय - 2

भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

- भारतीय अर्थव्यवस्था का विभिन्न आर्थिक गतिविधि के आधार पर वर्गीकरण :-

क्र.	क्षेत्रक	गतिविधि
1.	प्राथमिक क्षेत्रक -	कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन, खनन।
2.	द्वितीयक क्षेत्रक -	विनिर्माण (उदाहरण - गन्ने से चीनी निर्माण, कपास से सूत कातना)
3.	तृतीयक क्षेत्रक -	सभी प्रकार की सेवाएँ (बैंकिंग, बीमा, परिवहन, भंडारण, संचार, स्वास्थ्य, प्रशासनिक, शैक्षिक आदि)

- प्राथमिक क्षेत्रक - प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर किसी वस्तु का उत्पादन।
- विनिर्माण क्षेत्रक- प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली द्वारा अन्य उपयोगी उत्पादन के रूप में निर्मित करना।
- सेवा क्षेत्रक - प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्रों के विकास में सहायक गतिविधियाँ।
- देश में एक वर्ष विशेष में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य "सकल घरेलू कहलाता है।
- सकल घरेलू उत्पाद का संक्षिप्त रूप है - GDP (Gross Domestic Product)।
- कार्य करने के इच्छुक व्यक्तियों को प्रचलित मजदूरी दर में कार्य न किलना "बेरोजगारी" कहलाता है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि क्षेत्रक में "प्रच्छन्न बेरोजगारी" की स्थिति है।
- प्रच्छन्न बेरोजगारी को 'छिपी बेरोजगारी' भी कहा जाता है।
- शहरों में अधिकांशतः 'शिक्षित बेरोजगार' हैं।

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम - 2005 में लागू हुआ।

नियोजन के आधार पर क्षेत्रकों का विभाजन

1. संगठित क्षेत्रक	सरकार द्वारा पंजीकृत
2. असंगठित क्षेत्रक	सरकारी नियंत्रण से बाहर

- संगठित क्षेत्रके लाभ -

- | | |
|----------------------|----------------|
| (i) सवेतन अवकाश | (ii) सेवानुदान |
| (iii) चिकित्सकीय लाभ | (iv) पेंशन |

निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख उपक्रम

प्रमुख उपक्रम	-	स्वामित्व
i) रेलवे	-	सार्वजनिक क्षेत्र
ii) डाकघर	-	सार्वजनिक क्षेत्र
iii) टिस्को (TISCO)	-	निजी क्षेत्र
iv) रिलायंस इंडस्ट्रीज	-	निजी क्षेत्र

अध्याय - 3

मुद्रा और साख

- मुद्रा विनिमय का माध्यम है।
- मुद्रा वस्तुओं व सेवाओं को क्रय करने के लिए आवश्यक है।
- मुद्रा के प्रचलन के पूर्व 'वस्तु विनिमय प्रणाली' प्रचलित थी।
- वस्तु के बदले वस्तु का लेन-देन "वस्तु-विनिमय" कहलाता है।
- किसी भी देश की सरकार ही "मुद्रा" को विनिमय के माध्यम के रूप में प्राधिकृत कर सकती है।
- भारत में "भारतीय रिजर्व बैंक" करेंसी नोट जारी करता है।
- भारतीय रिजर्व बैंक भारत का केंद्रीय बैंक है।
- भारत की मुद्रा "रुपया" है।
- भिन्न-भिन्न देशों की मुद्राएँ भिन्न - भिन्न होती हैं।
- मुद्रा का प्राथमिक कार्य 'विनिमय का माध्यम' है।
- बैंकों में जमा धन को माँग जमा कहा जाता है।

- व्यापारिक बैंक के प्रमुख कार्य - (i) धन जमा करना
(ii) ऋण प्रदान करना
 - चलन मुद्रा को सरकार द्वारा अमान्य घोषित करने की प्रक्रिया **विमुद्रीकरण** कहलाती है।
 - भारत में नवंबर 2016 में 500 एवं 1000 रु. के नोटों का विमुद्रीकरण किया गया।
 - चेक का प्रयोग स्थगित भुगतान हेतु किया जाता है।
- ऋण स्रोत (i) औपचारिक क्षेत्र
(ii) अनौपचारिक क्षेत्र
 - औपचारिक क्षेत्र ऋणदाता - बैंक, सहकारी समिति
 - अनौपचारिक क्षेत्र ऋणदाता - साहूकार, महाजन, व्यापारी
- औपचारिक क्षेत्र ऋणदाता की कार्यप्रणाली पर नियंत्रण करने वाली संस्था - रिजर्व बैंक है।
 - अनौपचारिक क्षेत्र ऋणदाता की कार्यप्रणाली पर नियंत्रण करने वाली कोई संस्था नहीं है।
 - ग्रामीण क्षेत्रों में **स्व-सहायता समूह ऋण-स्रोत** हैं।
 - स्व-सहायता समूहों में 15-20 सदस्य होते हैं।
 - स्व सहायता समूह सदस्य छोटी बचतें करते हैं।
 - स्व सहायता समूह की बचत जरूरतमंदों को ऋण की सुविधा देती है।
 - अनौपचारिक क्षेत्रों की ऋण पर ब्याज दर "उच्च" होती है।
 - बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक के संस्थापक - प्रो. मोहम्मद युनूस हैं।
 - शांति का नोबल पुरस्कार वर्ष 2006 में प्रो. मोहम्मद युनूस को दिया गया।

अध्याय - 4

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- **वैश्वीकरण** - विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है।
- वैश्वीकरण के आयाम - (i) सांस्कृतिक, (ii) सामाजिक, (iii) आर्थिक
 - **बहुराष्ट्रीय कंपनी** - जिसका एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण एवं स्वामित्व होता है।
 - बहुराष्ट्रीय कंपनी का संक्षिप्त रूप - MNC.
 - बहुराष्ट्रीय कंपनियों का उद्देश्य है -
(i) उत्पादन लागत कम करना (ii) अधिक लाभ कमाना।
 - विकासशील देशों में सस्ता श्रम, प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है।
 - स्थायी परिसंपत्तियों पर किया गया व्यय निवेश कहलाता है।
 - भूमि, भवन, मशीनरी आदि स्थायी परिसंपत्तियाँ होती हैं।

- वैश्वीकरण के प्रसार में सहायक - **सूचना प्रौद्योगिकी** ।
- विश्व व्यापार संगठन का संक्षिप्त रूप W.T.O. । (World Trade Organization)
- विश्व व्यापार संगठन का उद्देश्य है, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना ।
- विश्व व्यापार संगठन की सदस्य संख्या - **लगभग 160**
- आयात पर कर :- **व्यापार अवरोधक** कहलाते हैं ।
- **उदारीकरण** - सरकार द्वारा व्यापार अवरोधकों को हटाने की प्रक्रिया है ।
- भारत की नई आर्थिक नीति - **1991** में लागू हुई ।

- भारत की नई आर्थिक नीति (1991) के कदम -
 (i) उदारीकरण, (ii) निजीकरण (iii) वैश्वीकरण
- आयात कोटा - सरकार द्वारा आयातित वस्तुओं की संख्या सीमित करना ।

- भारत की कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नाम -
 (i) टाटा मोटर्स (मोटर गाड़ियाँ)
 (ii) इंफोसिस (आई.टी.)
 (iii) रैनबैक्सी (दवाईयाँ)
 (iv) एशियन पेंट्स (पेंट)
 (v) सुंदरम् फास्नर्स (नट, बोल्ट)

- वैश्वीकरण के सकारात्मक परिणाम -
 (i) रोजगार में वृद्धि
 (ii) उपभोक्ता के समक्ष वस्तुओं के विकल्प
- वैश्वीकरण के नकारात्मक परिणाम -
 (i) लघु एवं कुटीर उद्योगों को हानि ।
 (ii) बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अनिश्चित रोजगार ।